CCI NG 3.7 Product: HelloDelhiBS PubDate: 04-04-2026 Zone: HelloDelhi Edition: 1 Page: HDFP User: cci Time: 04-03-2026 14:44 Color:

नवभारत टाइम्स NBT
Delhi Times
OF INDIA
masala mix
SATURDAY, APRIL 4, 2026
ADVERTORIAL, ENTERTAINMENT, PROMOTIONAL FEATURE

सोनम ने दिखाई अपने बेटे की पहली झलक

देखें अंदर

धुरंधर द रिवेंज

'धुरंधर 2' के बाद हर हफ्ते आएंगी फिल्में

'धुरंधर 2' के कहर से बचने के लिए पोस्टपोन हुई फिल्में रिलीज को तैयार हैं। समर सीजन में बॉक्स ऑफिस पर हर हफ्ते बड़ी फिल्में रिलीज होंगी:

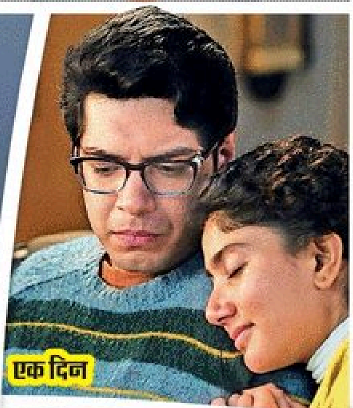

एक दिन

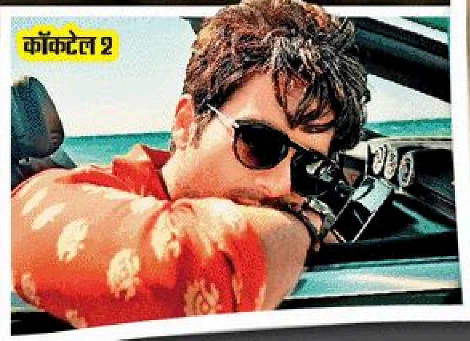

कॉकटेल 2

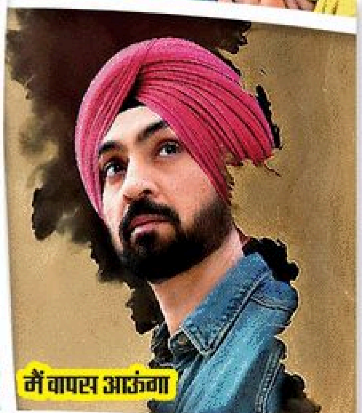

मैं वापस आऊंगा

प्रशांत जैन

साल 2026 की पहली तिमाही में धुरंधर द रिवेंज की रिलीज के चलते सिर्फ बॉर्डर 2 और ओ रोमियो के अलावा तीसरी कोई बड़ी फिल्म रिलीज नहीं हुई। फिल्म दुनिया के जानकार कहते हैं कि धुरंधर की बंपर सफलता के बाद निर्माताओं ने इसके सीक्वल को ईद पर रिलीज किए जाने की घोषणा कर दी थी। धुरंधर 2 से क्लैश टालने के लिए यश की फिल्म टॉक्सिक पोस्टपोन हो गई। वहीं होली पर रिलीज होने वाली पति पत्नी और वो दो के अलावा मार्च में रिलीज होने वाली सनी देओल की गबरू की रिलीज भी आगे बढ़ गई। साथ ही अप्रैल में रिलीज होने वाली आलिया भट्ट की अल्फा व सलमान खान की मातृभूमि भी पोस्टपोन हो गई। बाकी सारी फिल्में अब समर सीजन में रिलीज होंगी।

'धुरंधर 2' के लिए खाली किया मैदान

भले ही धुरंधर द रिवेंज के खौफ के चलते जनवरी, फरवरी व मार्च में बड़ी फिल्में रिलीज नहीं हुई हों, लेकिन धुरंधर 2 की रिलीज के बाद मई से अगले तीन महीनों में करीब डेढ़ दर्जन बड़ी फिल्में रिलीज होने वाली हैं। फिल्म दुनिया के जानकार कहते हैं कि बीते साल धुरंधर की बंपर सक्सेस से फिल्म रिलीज कैलेंडर पूरी तरह गड़बड़ा गया। पहले बीते साल रिलीज होने वाली फिल्म इक्कीस पोस्टपोन हुई। फिर धुरंधर के लगातार सिनेमाघरों में टिके रहने के चलते करीब डेढ़ महीने तक किसी ने अपनी फिल्म रिलीज नहीं की। धुरंधर 2 के आस-पास भी बस अप्रैल में अक्षय कुमार की भूत बंगला को छोड़कर कोई दूसरी फिल्म रिलीज नहीं हो रही है। वहीं तेलुगु सुपरस्टार रामचरण ने भी अपनी फिल्म पेड्डी को पोस्टपोन कर दिया। पहली तिमाही की फिल्में दूसरी तिमाही में पहुंच जाने के चलते समर सीजन में हर हफ्ते बड़ी फिल्में रिलीज होंगी। यहां तक कुछ रिलीज डेट पर तो दो-दो फिल्में भी रिलीज हो रही हैं। फिल्म रिलीज शेड्यूल पर नजर डालें, तो पेड्डी और रितेश देशमुख की राजा शिवाजी का मई के पहले हफ्ते क्लैश होगा। उधर सनी देओल की गबरू अब 8 मई को आएगी और पति पत्नी और वो दो 15 मई को रिलीज हो रही है। इसके अगले हफ्ते स्टार वॉर्स फ्रैंचाइजी की अगली फिल्म और अनन्या पांडे व लक्ष्य की चांद मेरा दिल का क्लैश होगा। वहीं वरुण धवन की है जवानी तो इश्क होना है अब 12 जून को दिलजीत दोसांझ की मैं वापस आऊंगा से टकराएगी।

> सिनेमाघरों पर समर सीजन में लगातार फिल्में रिलीज होंगी, तो यह फिल्म इंडस्ट्री के लिए अच्छा होगा। हालांकि एक के बाद एक रिलीज से फिल्मों को कमाई के लिए कम समय मिल पाएगा।
> - गिरीश जौहर, फिल्म बिजनेस एनालिस्ट

जारी रहेगा फिल्मों के बीच क्लैश का सिलसिला

अमूमन जून के बाद जुलाई में बड़ी फिल्में नहीं आतीं। लेकिन इस बार यह सिलसिला जारी रहेगा। शाहिद कपूर की कॉकटेल 2 जून के तीसरे हफ्ते में आ रही है, जिसका क्लैश हॉलिवुड फिल्म टॉय स्टोरी 5 से होगा। इसके अगले हफ्ते अक्षय कुमार वेलकम टु जंगल ला रहे हैं। वहीं अजय देवगन की धमाल 4 जुलाई के पहले हफ्ते में आएगी। उधर आलिया भट्ट की अल्फा जुलाई के दूसरे हफ्ते में आएगी। इसकी टक्कर हॉलिवुड फिल्म मोआना से होगी। वहीं राजकुमार राव की रफ्तार जुलाई के तीसरे हफ्ते में रिलीज होगी। इसके अगले हफ्ते स्पाइडरमैन ब्रैंड न्यू डे रिलीज होगी। इंडिपेंडेंस डे पर सनी देओल की लाहौर 1947 और सलमान खान की मातृभूमि का क्लैश होने की चर्चा है।

आने वाली फिल्में

राजा शिवाजी -	1 मई	टॉय स्टोरी 5 -	19 जून
एक दिन -	1 मई	वेलकम 3 -	26 जून
गबरू -	8 मई	धमाल 4 -	3 जुलाई
स्टार वॉर्स -	22 मई	अल्फा -	10 जुलाई
टॉक्सिक -	4 जून	मोआना -	10 जुलाई
कॉकटेल 2 -	19 जून	रफ्तार -	24 जुलाई

ये आंखें किस अभिनेत्री की हैं?

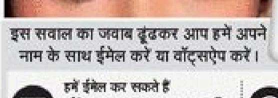

इस सवाल का जवाब ढूंढकर आप हमें अपने नाम के साथ ईमेल करें या वॉट्सऐप करें।

हमें ईमेल कर सकते हैं dtmmresponse@timesofindia.com

वॉट्सऐप करें 8447783400

सब्जेक्ट में लिखें PEHCHAAN

सवाल का जवाब देने के लिए QR कोड को स्कैन करें और सही जवाब को लिखें।

पिछले सवाल का जवाब है **करिश्मा कपूर**

सही जवाब देने वाले पाठक हैं, कपिल अरोड़ा • अमित कुमार • नेहा • नवीन कुमार • विकास • जीवन • सचिन • मनोज गौड़

Buzzstop

बाल्डोनी के खिलाफ ब्लेक लाइवली के आरोप खारिज

ब्लेक लाइवली ने फिल्ममेकर जस्टिन बाल्डोनी पर सेक्सुअल हरैसमेंट के आरोप लगाए थे। मगर अब फेडरल जज ने ब्लेक के 13 में से 10 आरोप खारिज कर दिए हैं। खारिज आरोपों में यौन शोषण, मानहानि और षड्यंत्र जैसे दावे शामिल हैं। गौरतलब है कि ब्लेक लाइवली और जस्टिन ने फिल्म इट एंड्स विद अस में साथ काम किया था। बाल्डोनी इसमें लीड ऐक्टर और डायरेक्टर दोनों थे। ब्लेक ने इसी फिल्म के दौरान यौन शोषण करने का आरोप लगाया है। इसके बाद जस्टिन बाल्डोनी की टीम ने बयान जारी कर कहा कि वह कोर्ट का शुक्रिया अदा करते हैं।

मेट गाला में शिरकत करेंगी आलिया भट्ट?

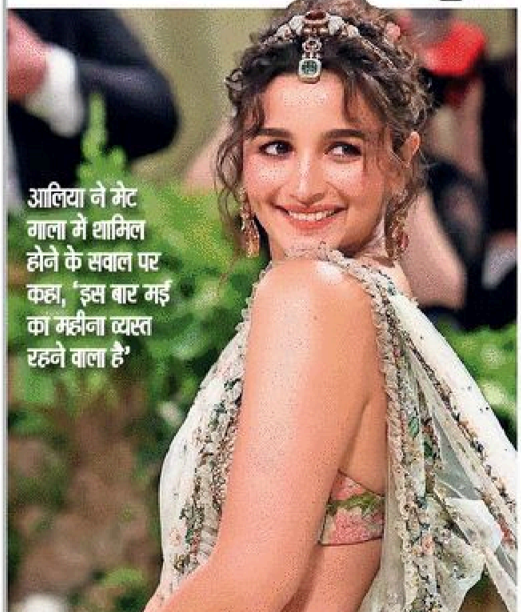

आलिया ने मेट गाला में शामिल होने के सवाल पर कहा, 'इस बार मई का महीना व्यस्त रहने वाला है'

आलिया भट्ट इस साल दुनियाभर में मशहूर फैशन इवेंट मेट गाला और Cannes फिल्म फेस्टिवल में वापसी कर सकती हैं। इसका इशारा खुद उन्होंने फैंस से बातचीत के दौरान दिया। दरअसल लाइव बातचीत करते हुए जब एक फैन ने उनसे पूछा, 'आप इस साल मेट गाला या Cannes में हिस्सा ले रही हैं? हमने आपको पिछले साल बहुत मिस किया।' तो आलिया ने इस सवाल का कोई सीधा जवाब तो नहीं दिया लेकिन उन्होंने जो कहा, उससे इस बात की चर्चा बढ़ गई कि वह इस साल मेट गाला या Cannes फिल्म फेस्टिवल में शिरकत कर सकती हैं। उन्होंने जवाब में कहा, 'इस बार मई का महीना काफी व्यस्त रहने वाला है।' गौरतलब है कि इस साल मेट गाला और Cannes फिल्म फेस्टिवल, दोनों मई के महीने में होंगे।

2024 में भी हुई थीं शामिल

आलिया ने इससे पहले साल 2024 में मेट गाला में शिरकत की थी जिसमें वह मिंट ग्रीन रंग की साड़ी में बेहद खूबसूरत नजर आई थीं। साड़ी के साथ अपने लुक को कंपलीट करने के लिए उन्होंने कानों में जेमस्टोन ईयररिंग्स, माथापट्टी और अंगूठियां पहनी थीं।

मानसिक समस्या होती है शराब की लत: जाह्नवी

जाह्नवी कपूर ने हाल ही में शराब की लत के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि शराब की लत मानसिक स्वास्थ्य से जुड़ी होती है, जबकि समाज में लोग उसे लेकर पहले से सोच बना लेते हैं। जाह्नवी ने एक जागरूकता कार्यक्रम में हिस्सा लिया, जहां उन्होंने कहा, 'हमारे समाज में शराब की लत को सामान्य माना जाने लगा है। हमारे यहां इस बात को लेकर स्पष्टता नहीं है कि कब कैजुअल ड्रिंकिंग एक मानसिक समस्या में बदल जाती है।' उन्होंने आगे कहा, 'शराब के बारे में या तो बिल्कुल बात नहीं की जाती या फिर इसे लेकर लोगों के बारे में सोच बना ली जाती है। लेकिन इससे उन लोगों को फायदा नहीं होता, जिन्हें मदद की जरूरत है। मुझे लगता है कि शराब की लत एक मानसिक समस्या है और लोगों की जिंदगियों को प्रभावित कर रही है।' बकौल जाह्नवी, हम लोग शराब की लत को नैतिक समस्या के तौर पर देखते हैं न कि मानसिक समस्या के तौर पर जिसमें इलाज की जरूरत होती है। फिल्मों की बात करें तो जाह्नवी कपूर आने वाले दिनों में साउथ की फिल्म पेड्डी में नजर आएंगी। इस फिल्म में उनके साथ साउथ के सुपरस्टार रामचरण मुख्य भूमिका में दिखाई देंगे।

> शराब के बारे में या तो बिल्कुल बात नहीं की जाती या फिर इसे लेकर लोगों के बारे में सोच बना ली जाती है। लेकिन इससे उन लोगों को फायदा नहीं होता, जिन्हें मदद की जरूरत है। शराब की लत क्लिनिकल समस्या है

हॉल में आप अकेले हैं? क्या फिल्म फिर भी चलेगी?

iStock

निहारिका लाल

ज़रा सोचिए। आपने फिल्म चुनी, शो टाइम चुना, स्क्रीन और सीट भी फाइनल कर ली। आप सिनेमा हॉल पहुंचते हैं और बताया जाता है कि शो कैंसल हो गया। अब इसका उल्टा सोचिए। आप ऑडिटोरियम में दाखिल होते हैं और देखते हैं कि आप अकेले हैं फिर भी फिल्म शुरू हो जाती है। दोनों ही हालात हकीकत हैं। दरअसल, फिल्म चलेगी या नहीं, ये पूरी तरह सिनेमा के फैसले पर निर्भर करता है। हालांकि बड़े मल्टीप्लेक्स चेन ने इस पर खुलकर कुछ नहीं कहा। लेकिन कुछ एग्जिबिटर्स के मुताबिक, अगर एक-दो टिकट भी बिके हों, तो ज्यादातर सिनेमाघर शो चलाने की कोशिश करते हैं। यानी कन्फर्म बुकिंग को आमतौर पर सम्मान दिया जाता है, चाहे भीड़ कितनी भी कम क्यों न हो।

कुछ लोगों के लिए अकेले फिल्म देखने का अहसास होता है बेहद खास

'खाली हॉल देखकर लगता है, जैसे आपने बुक किया हो'

फिल्म चलेगी या नहीं, इस कन्फ्यूजन से कुछ दर्शक परेशान हो जाते हैं। 30 की उम्र में पहुंच चुकी प्रिया लैफ्राकपम कहती हैं कि जब मैं ऑनलाइन टिकट बुक करती हूं और देखती हूं कि सिर्फ मैंने ही सीट ली है, तो घबराहट होने लगती है कि कहीं शो कैंसल न हो जाए। ऐसा मेरे साथ पहले हो चुका है। वहीं कुछ सिनेप्रेमियों के लिए खाली थिएटर किसी सपने से कम नहीं। 40 वर्षीय शेली भाटिया कहती हैं कि कभी-कभी पूरा हॉल खाली मिल जाए, तो लगता है जैसे थिएटर सिर्फ आपके लिए ही बुक है।

'अकेले फिल्म देखने का खास एहसास'

'हॉल में भीड़ जुटाना तो हमारी जिम्मेदारी नहीं है'

20 साल की ग्रेसी थापा कहती हैं कि मैंने इस बात पर कई बार बहस की है कि एक दर्शक के तौर पर भीड़ जुटाना मेरी जिम्मेदारी नहीं है। अगर मैंने अकेले टिकट बुक किया है, तो क्या मेरी मौजूदगी की कोई कीमत नहीं। गुरुग्राम में काम करने वाले सिद्धार्थ सिंह बताते हैं कि कुछ समय पहले मैं फिल्म देखने गया था, लेकिन मैनेजर ने साफ कह दिया कि कम से कम तीन लोग होंगे, तभी शो चलेगा। मुझे अपने दोस्तों को बुलाना पड़ा और वे फिल्म की शुरुआत मिस कर गए। दीपक रंजन कहते हैं, मैं आमतौर पर आखिरी वक्त में टिकट बुक करता हूं। अगर थिएटर खाली दिखे, तो पहले कॉल करके कन्फर्म कर लेता हूं। 40 वर्षीय समीर पाटिल कहते हैं कि दो-तीन लोगों पर शो चलेगा या नहीं, यह पूरी तरह सिनेमा पर निर्भर करता है। मैंने ऐसे शो देखे हैं, जहां मैं अकेला था, लेकिन कई बार मैनेजर ने मना कर दिया कि खाली हॉल में शो नहीं चला सकते। इस पर बहस भी हो जाती है।

'सिनेमा विकल्प देता है कि शो बदलें या पैसा वापस लें'

सिनेमाघरों का कहना है कि वे कन्फर्म बुकिंग का सम्मान करने और कम दर्शकों के बावजूद शो चलाने की कोशिश करते हैं। एग्जिबिटर भुवन मेदरिट्टा बताते हैं कि हमारी कोशिश रहती है कि जो दर्शक प्लान बनाकर आते हैं, उन्हें अच्छा अनुभव मिले। आमतौर पर दर्शकों की कोई तय संख्या नहीं होती। ज्यादातर मामलों में एक टिकट पर भी शो चलाया जाता है, ताकि भरोसा बना रहे। हालांकि, असल में फैसला ऑपरेशनल स्थिति पर निर्भर करता है, न कि किसी तय संख्या पर। वे आगे कहते हैं कि अगर तकनीकी दिक्कत या कोई मजबूरी हो, तो शो कैंसल या मर्ज किया जा सकता है। ऐसे में दर्शकों को पहले से जानकारी दी जाती है और रिफंड या दूसरे शो का विकल्प दिया जाता है। हर सिनेमा की पॉलिसी अलग होती है। एक बड़े सिनेमा चेन के एग्जिबिटर मानते हैं कि वे इतने कम दर्शकों पर शो नहीं चलाते। उनका कहना है कि अगर सिर्फ दो-तीन लोग हों, तो हम शो नहीं चलाते। आमतौर पर दर्शकों से दूसरे शो में शिफ्ट होने का अनुरोध करते हैं या रिफंड देते हैं।

FILM REVIEWS
NOW IN CINEMAS...

समारा ने संभाला साधारण सा सीक्वल

रेडी ऑर नॉट 2: हियर आई कम
जॉनर : हॉरर, थ्रिलर
★★½
निर्देशक : मैट बेट्टिनेली-ओल्पिन और टायलर गिलेट
कलाकार : समारा वीविंग, कैथरीन न्यूटन, सारा मिशेल गेलर, शॉन हैटोसी, डेविड

क्यों देखें
समारा वीविंग की बढ़िया अभिनय के लिए एक बार देख सकते हैं।

शॉर्ट रिव्यू

रेडी ऑर नॉट 2: हियर आई कम फिल्म रेडी ऑर नॉट का सीधा सीक्वल है, जिसमें ग्रेस (समारा वीविंग) की कहानी आगे बढ़ती है। पिछली फिल्म में मौत के खेल से बचने के बाद इस बार ग्रेस एक और बड़े और खतरनाक संगठन 'काउंसिल' के निशाने पर आ जाती है। निर्देशक मैट बेट्टिनेली-ओल्पिन और टायलर गिलेट ने कहानी का विस्तार तो किया है, लेकिन कमजोर स्क्रीनप्ले के कारण रोमांच पूरी तरह पकड़ नहीं बना पाता। समारा वीविंग फिल्म की जान हैं और उनकी एक्टिंग दमदार है। कैथरीन न्यूटन के साथ उनकी केमिस्ट्री भी अच्छी लगती है। सारा मिशेल गेलर और शॉन हैटोसी भी असर छोड़ते हैं। कुल मिलाकर, यह सीक्वल साधारण है। खून-खराबा और थ्रिल पसंद करने वालों के लिए एक बार देखा जा सकता है। हालांकि, पहले पार्ट जैसा ताजापन और सरप्राइज फैक्टर इस बार थोड़ा कम महसूस होता है। फिल्म की कहानी दिलचस्प होने के बावजूद उसका असर लंबे समय तक नहीं टिक पाता। - उपमा सिंह

विजुअल्स शानदार, कहानी है कमजोर

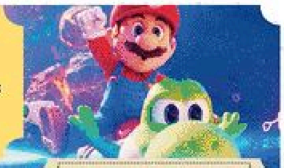

द सुपर मारियो गैलेक्सी
जॉनर: एडवेंचर और कॉमेडी
★★½
डायरेक्टर: एरन हॉरवाथ, माइकल जेलेनिक
कलाकार: क्रिस प्रैट, चार्ली डे, आन्या टेलर-जॉय, जैक ब्लैक, डोनाल्ड ग्लोवर

क्यों देखें
इस मूवी को आप इसके शानदार विजुअल्स के लिए देख सकते हैं।

शॉर्ट रिव्यू

कहानी में मारियो और लुइगी, प्रिंसेस रोजालिना को बचाने के मिशन पर निकलते हैं, जहां उन्हें समय से पहले एक बड़े खतरे को रोकना होता है। प्लॉट सुनने में दिलचस्प लगता है, लेकिन फिल्म इसे गहराई से पेश करने में चूक जाती है। इमोशनल कनेक्शन बनाने की कोशिश तो की गई है, मगर वह सतही ही रह जाती है और दर्शकों को पूरी तरह जोड़ नहीं पाती। पूरी फिल्म एक विडियो गेम के अलग-अलग लेवल्स जैसी महसूस होती है-हर कुछ मिनट में नया सीन, नया खतरा और तेज रफ्तार एक्शन। विजुअल्स और एनिमेशन जरूर आकर्षक हैं, लेकिन कहानी में ठहराव और मजबूत नैरेटिव की कमी साफ नजर आती है। यही वजह है कि कई अहम पल असर छोड़ने से पहले ही गुजर जाते हैं। हालांकि, फिल्म की सबसे बड़ी ताकत इसकी एनर्जी और विजुअल अपील है, जो खासकर बच्चों और गेमिंग फैंस को बांधे रखती है। बैकग्राउंड स्कोर और रंगीन दुनिया इसे एंटरटेनिंग बनाते हैं, भले ही कहानी ज्यादा गहराई न दे पाए। - अर्चिका खुराना

OTT REVIEW
NOW STREAMING...

वकीलों पर भारी पड़े जज रवि किशन

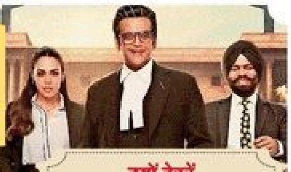

मामला लीगल है (13+)
जॉनर : कोर्ट रूम ड्रामा, कॉमिडी
★★½
निर्देशक : राहुल पांडे
कलाकार : रवि किशन, निधि बिष्ट, अंजुम बत्रा, नाएला ग्रेवाल, अनंत वी जोशी, कुब्रा कपिला, दिनेश लाल निरहुआ, दिव्येंदु।

क्यों देखें
हल्के फुल्के मनोरंजन के लिए यह कोर्ट रूम कॉमिडी देखी जा सकती है।

शॉर्ट रिव्यू

वेब सीरीज मामला लीगल है का दूसरा सीजन कोर्ट-कचहरी की दुनिया को एक बार फिर हल्के-फुल्के और दिलचस्प अंदाज में पेश करता है, लेकिन इस बार फोकस थोड़ा बदल गया है। कहानी में विशेश्वर दयाल उर्फ वीडी त्यागी (रवि किशन) अब वकील से जज बन चुके हैं, जिससे सीरीज जज की जिम्मेदारियों, सीमाओं और दुविधाओं को दिखाने पर ज्यादा केंद्रित हो जाती है। यह ट्रैक दिलचस्प है, लेकिन इसके चलते कोर्टरूम की बहस और वकीलों की टक्कर वाला मजा कुछ कम हो गया है। सीरीज में जज बनने के बाद त्यागी के सामने आने वाली चुनौतियां जैसे निजी रिश्तों से दूरी और न्यायिक जिम्मेदारियों को सरल अंदाज में दिखाया गया है। वहीं, पुराने चैंबर में मिट्टू और सुजाता दीदी के बीच का ट्रैक थोड़ा खींचा हुआ लगता है। अनन्या और नैना की टक्कर भी पूरी तरह प्रभाव नहीं छोड़ पाती। कुछ नए केस दिलचस्प मुद्दे उठाते हैं, लेकिन पिछले सीजन जैसा असर नहीं बना पाते। फिर भी, रवि किशन अपनी दमदार एक्टिंग से सीरीज को संभालते हैं और सबसे मजबूत कड़ी बने रहते हैं। -उपमा सिंह

पूरा रिव्यू पढ़ने के लिए https://nbt.in/entertainment/movie-review.cms पर जाएं।

रेटिंग स्केल
बकवास ★ | औसत से कम ★★ | औसत ★★½ |
औसत से अधिक ★★★ | अच्छी ★★★½ | बहुत अच्छी ★★★★ |
आउटस्टैंडिंग ★★★★½ | मास्टरपीस ★★★★★

कमर दर्द और साइटिका का इलाज अब बिना ऑपरेशन संभव

कमर दर्द और साइटिका ऐसी समस्याएं हैं जो पीड़ित व्यक्ति को एकदम लाचार कर देती हैं। जब फिजियोथेरेपी और पेनकिलर से लाभ नहीं मिलता, तब अक्सर डॉक्टर स्पाइन के ऑपरेशन का सुझाव देते हैं। ओज़ोन डिसेक्टोमी एक ऐसी प्रक्रिया है, जिससे दिल्ली में हजारों पीड़ितों को बिना ऑपरेशन कमर दर्द से राहत मिली है।

दिल्ली पेन मैनेजमेंट सेंटर के क्लिनिकल डायरेक्टर डॉ. ध्रुव बिबरा कहते हैं, 'कमर दर्द का एक प्रमुख कारण स्लिप्ड डिस्क होता है। इस स्थिति में रीढ़ की हड्डी के बीच स्थित डिस्क सूज जाती है और नस पर दबाव डालती है जिसके दर्द उत्पन्न होता है। ओज़ोन डिसेक्टोमी प्रक्रिया में एक्स-रे और अल्ट्रासाउंड की सहायता से प्रभावित डिस्क में ओज़ोन डाला जाता है और सूजन को हमेशा के लिए खत्म कर दिया जाता है।'

इस प्रक्रिया के कोई साइड इफेक्ट नहीं होते और यह बिना किसी ऑपरेशन या हॉस्पिटल में दाखिल हुए दर्द से आराम पहुंचाती है। है। इस पद्धति का प्रयोग पिछले एक दशक से दिल्ली पेन मैनेजमेंट सेंटर में सफलतापूर्वक किया जा रहा है, जिससे अभी तक 25,000 से अधिक रोगियों का इलाज हो चुका है।

दिल्ली पेन मैनेजमेंट सेंटर सफदरजंग एन्क्लेव, राजौरी गार्डन, गुरुग्राम सेक्टर 51, इंदिरापुरम, और नोएडा में भी
9999123444 | www.painhospital.in

डिस्क्लेमर: इस लेख में दिए गए विचार, सुझाव और चित्र पूरी तरह से एक्सपर्ट की जिम्मेदारी है।

डॉ. ध्रुव बिबरा, क्लिनिकल डायरेक्टर (दिल्ली पेन मैनेजमेंट सेंटर)

क्या देखें समझ नहीं आ रहा? हम हैं न आपके साथ

रजनीश दुग्गल को पसंद हैं ये 4 ड्रामा

द मेंटलिस्ट: मुझे यह पसंद है कि इसमें ऑब्जर्वेशन और इंटेलिजेंस को खास अहमियत दी गई है। छोटी-छोटी बातों से बड़े खुलासे होते देखना मुझे हमेशा बांधे रखता है।

पीकी ब्लाइंडर्स: इसमें स्टाइल, महत्वाकांक्षा और ताकत का जो मिश्रण है, वो मुझे काफी आकर्षित करता है। बदलती दुनिया के बीच किरदारों का इंटेंस होना और उनके कठोर फैसले लेना दिलचस्प लगता है।

ब्रेकिंग बैड: यह देखना रोमांचक है कि कैसे हालात और फैसले धीरे-धीरे इंसान को बदल देते हैं। यह मुझे नैतिकता और उसके परिणामों पर सोचने के लिए मजबूर करता है।

बोर्डवॉक एम्पायर: इसकी स्लो-बर्न स्टोरीटेलिंग और डिफरेंट किरदार मुझे हर फैसले के पीछे की गहराई समझने पर मजबूर करते हैं, जहां वफादारी और धोखा दोनों ही खतरनाक लगते हैं।

FILMY QUIZ

1. सनी देओल ने किस फिल्म से अपना डेब्यू किया था?
A) बेताब B) इंडियन C) बॉर्डर

2. हाल ही में शाहरुख खान की किस फिल्म की दुबई शूटिंग टली है?
A) पठान B) जवान C) किंग

3. एसएस राजामौली की फिल्म वाराणसी में इनमें से कौन सी ऐक्ट्रेस काम कर रही है?
A) आलिया भट्ट B) प्रियंका चोपड़ा C) कटरीना कैफ

जवाब नाम, सवाल नंबर और सही ऑप्शन (मसलन 1-C, 2-B) के साथ दें। सही जवाब देने वाले चुनिंदा पाठकों के नाम प्रकाशित होंगे। जवाब लिए QR स्कैन करें या 8447783400 पर वॉट्सऐप करें या dtmmresponse@timesofindia.com पर ईमेल करें।

पिछले हफ्ते सही सवालों के जवाब देने वाले पाठकों के नाम हैं:
- विकास
- शिवांशु शर्मा
- हिमांशु कुमार
- नदीम
- हर्ष तिवारी
- दीपक सहरावत

CCI NG 3.7 Product: HelloDelhiBS PubDate: 04-04-2026 Zone: HelloDelhi Edition: 1 Page: HDMONMAT User: cci Time: 04-03-2026 14:46 Color:

'पहला गोल्ड जीतने पर मां ने जड़ा थप्पड़'

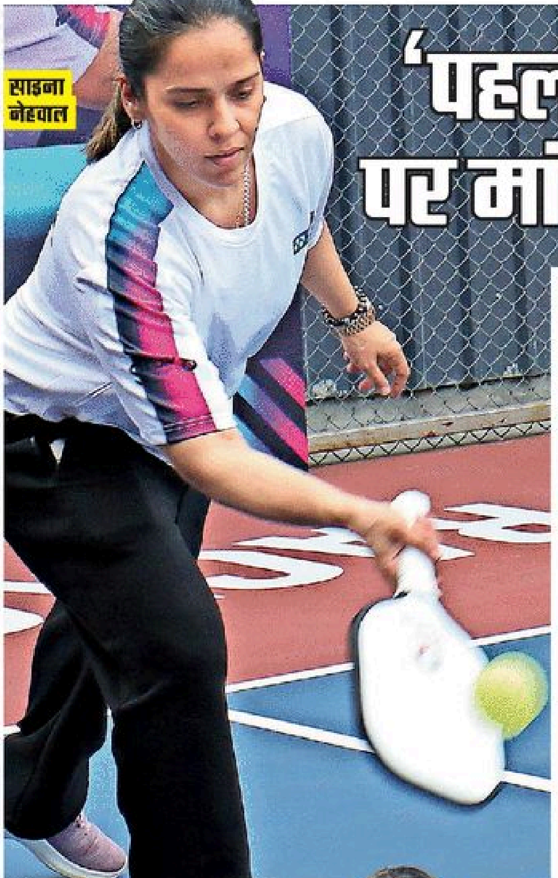
साइना नेहवाल

गौरव खरे

हरियाणा रेसलिंग का गढ़ माना जाता है। लेकिन हरियाणा की कोई छोरी किसी दूसरे स्पोर्ट्स में झंडा बुलंद करेगी, साल 2012 में किसी को इस बात का अंदाजा नहीं था। हिसार से एक सीधी सादी सी लड़की जब घर से निकली, तो उसके हाथों में दंगल की मिट्टी नहीं बल्कि बैडमिंटन रैकेट था। यहीं से सफर शुरू हुआ उस छोरी का, जिसे आज ओलंपिक पदक जीतने वाली भारत की पहली बैडमिंटन खिलाड़ी का दर्जा प्राप्त है यानी साइना नेहवाल का। हाल ही में दिल्ली में भारत की पहली सीएसआओ पिकलबॉल लीग लॉन्च इवेंट में पहुंचीं साइना ने हमसे खास बातचीत की और बताया कि कैसे चैंपियनशिप जीतने पर उन्हें मां ने थप्पड़ जड़ा था।

'शुरू में लड़कों के साथ खेलना जरूरत है हमारी'

रेसलिंग से लेकर बैडमिंटन तक, लड़कियां अपने स्पोर्ट्स करियर की शुरुआत लड़कों के साथ खेलकर करती हैं। क्या कभी ऐसा दिन आएगा जब लड़कियों को स्पोर्ट्स में आगे बढ़ने के लिए लड़कों के साथ खेलने की जरूरत नहीं होगी? इस बारे में साइना कहती हैं, 'मुझे लगता है कि हम अभी स्पोर्ट्स में उस लेवल पर पहुंचे नहीं हैं कि लड़कियां अपने स्पोर्ट्स की शुरुआत ही लड़कियों के साथ खेलकर करें। जैसे टॉप 10 में जो दुनिया की लड़कियां हैं, उसमें से 6 से 7 तो चाइना से हैं। वे 1970-80 से जीतते हुए आ रहे थे। तो

> मैं सोशल मीडिया पर ज्यादा एक्टिव नहीं हूं। हालांकि मुझे अपना इंस्टाग्राम पसंद है, क्योंकि इसे चलाने में मुझे काफी मजा आता है

अब जाकर उनके यहां ऐसा माहौल बना है कि लड़कियों को लड़कियों के साथ शुरू से ही खेलने का मौका मिलता है। मैंने जब खेलना शुरू किया, तब लड़कियां उस लेवल पर नहीं थीं, इसलिए मुझे ज्यादातर प्रैक्टिस लड़कों से ही चाहिए थी। लेकिन मैं शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने मेरे लिए समय निकालकर मुझे इतना सिखाया। जब तक हम उस स्तर पर नहीं पहुंचते, जहां हमारे भी टॉप 20 या 30 में कई सारी लड़कियां हों, तब तक हमें इसका इंतजार करना होगा।'

'ट्रैवल के लिए तो बैग हमेशा पैक रहता है'

साइना स्पोर्ट्स में हैं इसलिए उनका पूरी दुनिया में ट्रैवल करना लगा रहता है। अपने ट्रैवल प्लान पर हंसते हुए वह कहती हैं, 'मेरा बैग तो हमेशा पैक रहता है। बस मुझे बताया जाता है कि कहां जाना है। जहां भी जाना होता है, वहां पैरेंट्स और कश्यप (साइना के पति पारुपल्ली कश्यप) फॉलो करते हैं, तो मेरा काम आसान हो जाता है। खेलने की वजह से बचपन से मैं ट्रैवल करती आ रही हूं, घर में बैठने की आदत कम है।'

'पिकलबॉल से जुड़ना खास'

पिकलबॉल लीग से जुड़ने के बारे में साइना कहती हैं, 'सीएसआओ पिकलबॉल लीग भारत में होने वाली अपने तरह की पहली लीग है और मुझे इसके इंडिया टूर से जुड़कर खुशी महसूस हो रही है।'

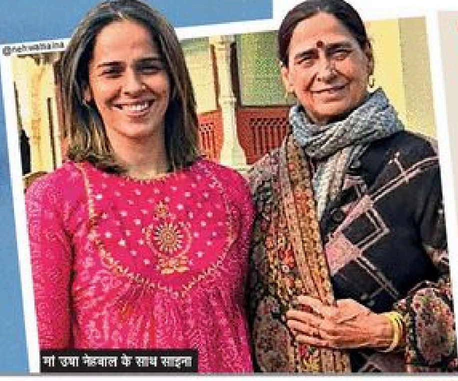
@nehwalsaina
मां उषा नेहवाल के साथ साइना

'मां की पिटाई से पता चला जीत-हार नहीं परफेक्शन अहम है'

साइना नेहवाल की जिंदगी में उनकी मां उषा नेहवाल का अहम रोल रहा है। साइना बताती हैं, 'मुझे लगता है कि माता-पिता जो भी करते हैं, उसमें बच्चे की भलाई होती है। मैंने चैंपियनशिप में पहला गोल्ड मेडल जीता था। मैंने अच्छा खेला था, छोटी-मोटी गलतियां हुई होंगी। मेरी मां कोर्ट के बाहर खड़ी थीं। उन्होंने पूछा कि क्या तूने अच्छा खेला! मैंने कहा मम्मी मैं जीत गई और क्या चाहिए। जैसा भी खेला लेकिन आखिर में मैं जीत तो गई हूं। मैं बहुत संभलकर मम्मी को जवाब दे रही थी। फिर मैंने उनसे कहा कि आप ही बता दो मैंने कैसा खेला? मेरे सारे दोस्त वहां खड़े थे, तभी मुझे एक जोर का तमाचा पड़ा। फिर बोलीं तुम और अच्छा खेल सकती थी, शॉट्स और अच्छे हो सकते थे। जीतना-हारना मैटर नहीं करता। उस दिन मैंने निर्णय लिया कि एक दिन मैं बेहतरीन शॉट्स खेलूंगी और अपने दोस्तों को भी दिखाऊंगी कि मैंने क्या सीखा है। आज मैं कह सकती हूं कि मेरी मां को गर्व है मुझपर।'

टेलर और ट्रैविस की शादी में बस 150 मेहमान

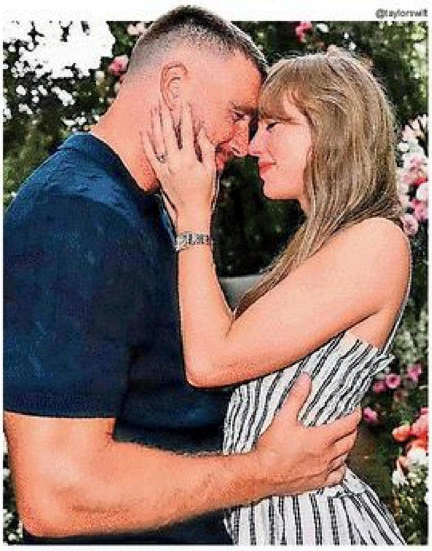
@taylorswift

नए सिलेब्रिटी कपल बनने जा रहे टेलर स्विफ्ट और ट्रैविस केल्स की शादी को लेकर दिलचस्प अपडेट्स सामने आए हैं। खबर है कि दोनों अपनी शादी में बस गिने-चुने मेहमान बुलाने वाले हैं। सूत्रों के मुताबिक जून 13 को रोड आइलैंड में होने वाले इस जश्न में सिर्फ 150 लोग ही शामिल होंगे। इसके अलावा यह भी बताया जा रहा है कि इस ग्रैंड लेकिन प्राइवेट वेडिंग फंक्शन से पहले टेलर एक बैचलरेट पार्टी रखने की सोच रही हैं, जिसमें उनकी दोस्त सेलेना गोमेज और जीजी हदीद जैसी हस्तियां शामिल होंगी। एक सूत्र ने बताया कि इसके लिए न्यू यॉर्क, नैशविल और बहामास जैसी जगहों पर विचार किया जा रहा है। एक दूसरे सोर्स ने बताया कि इसमें सेलेना और जीजी के अलावा मशहूर हैम बहनें ऐस्टे, डैनियल और अलाना के साथ-साथ उनकी होने वाली भाभी काइली केल्स भी शामिल होंगी। गौरतलब है कि स्विफ्ट और ट्रैविस ने पिछले साल अगस्त में अपने इस रिश्ते की घोषणा की थी। तब दोनों ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डाला था जिसमें लिखा था, 'आपकी इंग्लिश टीचर और आपके जिम टीचर शादी कर रहे हैं।' इन फोटोज में ट्रैविस एक खूबसूरत लोकेशन के बीच घुटनों पर बैठकर टेलर को प्रपोज करते हुए नजर आ रहे थे।

कई देशों में हनीमून

इसके साथ ही यह भी खबरें हैं कि टेलर और ट्रैविस अपना हनीमून करीब 7 देशों में मनाएंगे, जिसकी शुरुआत बहामास से होगी। बताया जा रहा है कि इसके बाद वे इटली के मशहूर लेक कोमो जाएंगे। फिर उनके अगले पड़ाव में पेरिस, क्रोएशिया, ग्रीस, सिंगापुर और ऑस्ट्रेलिया जैसी जगहें शामिल होंगी।

बेटे के साथ सोनम कपूर ने शेयर की पहली तस्वीर

@sonamkapoor

हाल ही में दोबारा मां बनीं सोनम कपूर ने अपने बेबी बॉय की पहली झलक सोशल मीडिया पर शेयर की है। सोनम ने अपने हैंडल पर एक भावुक पोस्ट साझा किया है, जिसमें उन्होंने बेटे के साथ तस्वीर भी पोस्ट की। इस फोटो में सोनम अपने बेटे को सीने से लगाए नजर आ रही हैं।

सोनम ने इस पोस्ट के साथ एक लंबा सा कैप्शन लिखकर सभी डॉक्टर्स और हॉस्पिटल स्टाफ का आभार जताया। साथ ही उन्होंने लिखा कि वह इस समय खुशकिस्मत और अच्छा महसूस कर रही हैं, जिसे बयां करने के लिए उनके पास शब्द नहीं हैं। गौरतलब है कि सोनम ने बीती 29 मार्च को अपने दूसरे बेटे को जन्म दिया था, जिसकी जानकारी उन्होंने खुद सोशल मीडिया के जरिए दी थी।

'प्रियंका ने मुझसे कहा, मुझे तुम पर गर्व है'

@meerachopra
मीरा चोपड़ा

गौरव खरे

प्रियंका चोपड़ा की बहन मीरा चोपड़ा पिछले कुछ समय से फिल्मों से दूर थीं और अब बतौर फिल्ममेकर उन्होंने साइलेंट फिल्म गांधी टॉक्स से वापसी की है। बतौर फिल्ममेकर डेब्यू करने के बाद क्या वह आगे कभी अपनी बहन प्रियंका को अपनी फिल्म में कास्ट करना चाहेंगी? इस सवाल के जवाब में वह कहती हैं, 'नहीं... नहीं। अभी तो मैं यह नहीं कर सकती। मैं अभी उनको अफोर्ड ही नहीं कर सकती हूं। मैं कभी सपने में भी ऐसा नहीं सोचती हूं। हां, जब बड़ी फिल्ममेकर बन जाऊंगी, तो एक दिन अपनी फिल्म में प्रियंका को कास्ट करना चाहूंगी।'

बिजनेस में हाथ आजमाने के फैसले पर बहन प्रियंका चोपड़ा का क्या रिएक्शन था? इस बारे में वह बताती हैं, 'मैंने सीधे उन्हें अपनी फिल्म का टीजर भेजा। मैंने उनको बताया कि फिल्म मैंने प्रड्यूस की है। हमेशा चाहती थी कि कुछ ऐसा करूं कि प्रियंका मुझसे कहे कि मुझे तुम पर गर्व है और आखिरकार उन्होंने ऐसा कहा।'

प्रियंका चोपड़ा

बैचलर पार्टी के लिए सियोल पहुंचीं अंशुला

@anshulakapoor

अर्जुन कपूर की बहन अंशुला कपूर शादी से पहले अपने दोस्तों के साथ दक्षिण कोरिया में बैचलर पार्टी करने निकली हैं, जिसकी उन्होंने कुछ झलकियां भी अपने सोशल मीडिया पर साझा कीं। इन फोटोज में अंशुला अपने फ्रेंड्स के साथ वहां की राजधानी सियोल में मस्ती करती हुई नजर आ रही हैं। इसके कैप्शन में अंशुला ने लिखा, 'सियोलमेट्स फॉर लाइफ। बैचलरेट बिहेवियर मेरे OGs के साथ।' उनकी इन फोटोज पर भाई अर्जुन ने भी कमेंट किया है। उन्होंने लिखा है पिंक जैकेट रिटर्न्स। दरअसल वह अपनी पिंक जैकेट की ओर इशारा कर रहे थे, जिसे अंशुला अपने साथ ले आई हैं। इसके अलावा इन फोटोज में दिख रहा है कि वह इस बैचलरेट पार्टी में घूमने से लेकर खाने-पीने तक सभी का लुत्फ उठा रही हैं। गौरतलब है कि अंशुला की शादी उनके खास दोस्त रोहन ठक्कर से होनी है। दोनों की सगाई पिछले साल अक्टूबर में हो गई थी। इस सगाई में केवल उनके करीबी दोस्त और परिवार शामिल थे।

अपने दोस्तों के साथ पोज देतीं अंशुला

CCI NG 3.7 Product: HelloDelhiBS PubDate: 04-04-2026 Zone: HelloDelhi Edition: 1 Page: HDINDRAD User: cci Time: 04-03-2026 14:33 Color:

'दर्शक समझदार हो गए हैं, सतही चीजों से काम नहीं चलेगा'

@aahanakumra

अहाना कुमरा

अहाना कुमरा का मानना है कि आज के दौर में कंटेंट और कहानी कहने का तरीका तेजी से बदल रहा है। दर्शक अब पहले से ज्यादा समझदार हो चुके हैं, इसलिए उन्हें प्रभावित करने के लिए ईमानदारी और साहस बेहद जरूरी है। अहाना कुमरा ने कहा, 'आज के वक्त में कहानी कहने के लिए हिम्मत होना जरूरी है। अब हम सतही चीजों से काम नहीं चला सकते। दर्शक हर चीज समझते हैं और अगर आप कोई झूठी या बढ़ा-चढ़ाकर पेश की गई कहानी दिखाते हैं, तो वे उसे तुरंत पकड़ लेते हैं। इसलिए आज की कहानी सच्ची और साहसी होनी चाहिए।'

> आज के वक्त में कहानी कहने के लिए बहादुर होना जरूरी है। अब हम सतही चीजों से काम नहीं चला सकते

उन्होंने अपने करियर में फिल्ममेकर बनने के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, 'एक ऐक्टर के तौर पर आप एक सीमित दायरे में काम करते हैं, लेकिन फिल्ममेकर बनने के बाद आपकी सोच और जिम्मेदारी दोनों बढ़ जाती है।' उन्होंने आगे कहा, 'जब मैं लोगों को बताती हूं कि अब मैं फिल्म बना भी कर रही हूं, तो वे खुश होते हैं और कहते हैं कि अब आपको इंडस्ट्री की चुनौतियों और बाजार की जरूरतों को समझने का मौका मिलेगा। इस बदलाव ने मुझे एक नया नजरिया दिया है।' उन्होंने कहा, मुझे यकीन है कि यह यात्रा भी ऐक्टिंग की तरह ही यादगार रहने वाली है। गौरतलब है कि अहाना हाल में कंटेंट इंडिया नाम के इवेंट में शामिल हुई थीं। इस दौरान उन्होंने ऐक्टिंग और फिल्म निर्देशन में अपने काम और बदलाव को लेकर चर्चा की।

बड़े पर्दे पर हम भाषा नहीं, किरदार गढ़ते हैं: सौरभ शुक्ला

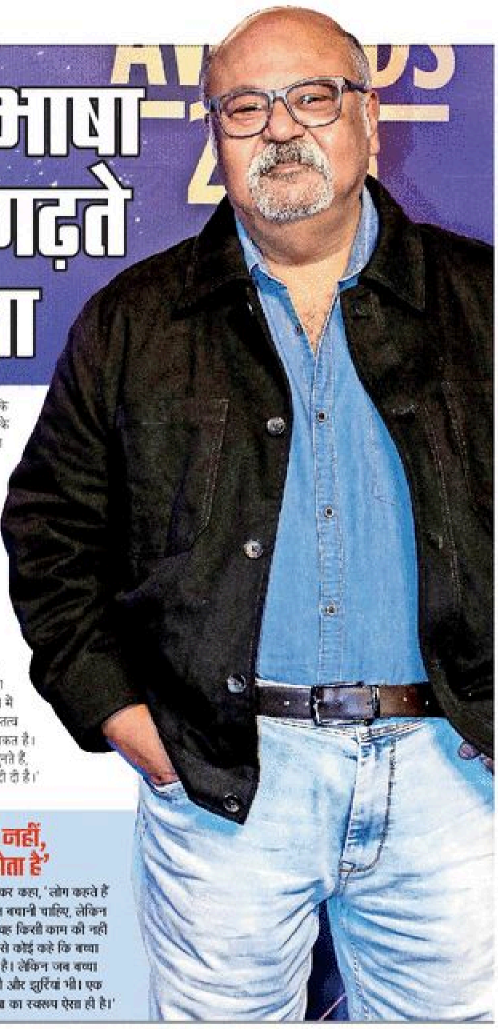

उदय जगताप

सिनेमा में हम भाषा नहीं लिखते, बल्कि किरदार गढ़ते हैं। उस किरदार की भाषा ही सिनेमा की भाषा होती है। अगर सत्या का भीखू म्हात्रे या कल्लू मामा यह कहे कि पधारिए, क्या पेश करूं तो वह उस किरदार के साथ नाइंसाफी होगी। यह कहना है राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता ऐक्टर और लेखक सौरभ शुक्ला का। सौरभ ने हाल ही में हिंदी भवन में चल रहे ढाई आखर साहित्योत्सव में हिस्सा लिया जहां सिनेमा को लेकर अपनी राय रखी।

सौरभ शुक्ला के मुताबिक, अक्सर लोग उनसे पूछते हैं कि हिंदी फिल्मों की स्क्रिप्ट में सीन्स को गहराई में लिखने के लिए अंग्रेजी भाषा क्यों इस्तेमाल की जाती है? इसका व्यावहारिक कारण बताते हुए उन्होंने कहा, 'सेट पर मौजूद कैमरा क्रू या तकनीशियन अलग-अलग प्रांतों से हो सकते हैं, जिनके लिए अंग्रेजी एक साझा माध्यम बनती है। लेकिन फिल्म की मूल आत्मा उसकी बोलचाल की भाषा में ही बसती है। इसलिए सिनेमा की भाषा में किरदार का महत्व होता है।' उन्होंने बैंडिट क्वीन का उदाहरण देते हुए कहा, 'धौलपुर में शूटिंग के दौरान हमारी टीम वहां के लोगों के बीच रहती थी। उन्हीं लोगों की भाषा को सिनेमा में इस्तेमाल किया गया।' उन्होंने आगे कहा, 'स्क्रिप्ट लिखने का मकसद समाज को आईना दिखाना है, न कि भाषा को सजाना। जो शब्द हम निजी जीवन में दोस्तों के बीच बोलते हैं, वही शब्द जब पर्दे पर आते हैं, तो लोग उसे समाज का हिस्सा मानकर स्वीकार करते हैं।'

'सिनेमा में दृश्य का है सबसे ज्यादा महत्व'

इस सेशन में सौरभ ने अपने बचपन की यादों को भी साझा किया। उन्होंने कहा, 'बचपन में दूरदर्शन पर क्षेत्रीय फिल्में आया करती थीं। मैं उन्हें बिना सब-टाइटल के देखते हुए भी पूरी कहानी समझ जाता था। बात यह है कि सिनेमा सिर्फ शब्दों का खेल नहीं है, यह दृश्यों की भाषा है। जो बात बिना कहे समझ आ जाए, वही असल सिनेमा है। मैंने जापान में भी सिनेमा देखा था। भाषा न आते हुए भी मैं कई सीन्स पर हंसा था और आंख में आंसू भी आए थे।' OTT और थिएटर के सह-अस्तित्व पर उन्होंने कहा, 'आज दर्शक के पास चुनने की ताकत है। जैसे हम शॉपिंग मॉल में अपनी पसंद का सामान चुनते हैं, वैसे ही OTT ने दर्शकों को कंटेंट चुनने की आजादी दी है।'

Photo:Social Media

कल्लू मामा की भूमिका में सौरभ

'भाषा जड़ चीज नहीं, इसमें बदलाव होता है'

सौरभ शुक्ला ने हिंदी को लेकर कहा, 'लोग कहते हैं भाषा बचानी चाहिए। बिल्कुल बचानी चाहिए, लेकिन भाषा अगर बदलेगी नहीं, तो वह किसी काम की नहीं रहेगी। यह ठीक वैसा ही है जैसे कोई कहे कि बच्चा छोटा ही रहे क्योंकि वह क्यूट है। लेकिन जब बच्चा बढ़ेगा, तो दाढ़ी-मूंछ भी आएगी और झुर्रियां भी। एक दिन उसकी मृत्यु भी होगी। भाषा का स्वरूप ऐसा ही है।'

ओम के साथ नई फिल्म नहीं बना रहे अजय

अजय देवगन की ओर से एक आधिकारिक बयान जारी कर हाल ही में चल रही खबरों को गलत बताया गया है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा था कि अजय देवगन निर्देशक ओम राउत के साथ एक भारतीय योद्धा पर आधारित फिल्म में दोबारा साथ काम करने जा रहे हैं।

अजय की कंपनी ने साफ किया है कि इस तरह की कोई भी बातचीत फिलहाल नहीं चल रही है। उन्होंने इन खबरों को पूरी तरह निराधार और गलत बताया है। बयान में यह भी कहा गया है कि अजय देवगन और ओम राउत दोनों ही इस समय अपने-अपने कामों में व्यस्त हैं और किसी नई परियोजना को लेकर कोई चर्चा नहीं हो रही है। साथ ही मीडिया और सामाजिक मंचों से आधिकारिक पुष्टि के बाद ही खबर प्रकाशित करने का आग्रह किया है।

गौरतलब है कि कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि फिल्म तानाजी: द अनसंग वॉरियर के बाद अजय देवगन और ओम राउत की जोड़ी फिर साथ नजर आएगी। इसमें कहा गया था कि अजय काफी समय से ऐसी किसी कहानी की तलाश में थे। उन्हें ओम राउत ने एक मराठा योद्धा की कहानी सुनाई, जो अजय को बेहद पसंद आई। इसके बाद उन्होंने तुरंत इस प्रोजेक्ट के लिए हामी भर दी। रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया कि फिल्म के बजट और विजुअल इफेक्ट पर खास ध्यान दिया जा रहा है। अजय देवगन अपनी टीम के साथ मिलकर तकनीकी पहलुओं को मजबूत बनाने में जुटे हैं। लेकिन, अब अजय देवगन की ओर से सभी रिपोर्ट्स को सिरे से खारिज कर दिया गया है। गौरतलब है कि तानाजी बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई थी।

@ajaydevgn

फिल्म तानाजी के सीन में अजय-काजोल

जमीन के सौदे को लेकर विवाद में घिरे सोनाली व गोल्डी

सोनाली बेंद्रे और उनके पति गोल्डी बहल जमीन सौदे को लेकर विवाद में घिर गए हैं। पुणे के मावल इलाके में करीब 30 गुंठा (3,630 गज) जमीन की खरीद को लेकर उन पर धोखाधड़ी और नियमों के उल्लंघन के आरोप लगे हैं।

एक स्थानीय किसान चंद्रकांत शिंदे का दावा है कि डकसान स्थित इस जमीन पर उनके परिवार का 1957 से पैतृक अधिकार है। उनका आरोप है कि फर्जी दस्तावेजों के आधार पर इस जमीन की खरीद-फरोख्त की गई और उनके अधिकारों को नजरअंदाज किया गया। उन्होंने यह भी कहा कि जमीन पर अवैध निर्माण की कोशिश की गई और उनके परिवार को धमकाया गया। इस मामले में वडगांव मावल के सिविल कोर्ट में याचिका दायर की गई है। इस विवाद में सोनाली बेंद्रे, गोल्डी बहल समेत चार लोगों को पक्षकार बनाया गया है। फिलहाल अगली सुनवाई 20 अप्रैल को है। सेलिब्रिटी और एक आम किसान के बीच इस विवाद ने मावल क्षेत्र में काफी चर्चा छेड़ दी है। गौरतलब है कि इससे पहले भी फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े लोग जमीन से जुड़े विवादों में फंसते रहे हैं।

सोनाली बेंद्रे ने आरोप किए खारिज

सोनाली बेंद्रे ने उन पर लगे सभी आरोपों को पूरी तरह खारिज किया है। उनका कहना है कि जमीन के किसी भी सरकारी दस्तावेज या खरीद-बिक्री के कागज में उनका नाम नहीं है। उनके मुताबिक यह आरोप बेबुनियाद हैं और पैसे ऐंठने की कोशिश है। ऐक्टर के वकील एडवोकेट राजू शिंदे के अनुसार, किसान पहले भी इस मामले को सरकारी विभागों और अदालत में ले जा चुके हैं, जहां उनकी अपील खारिज हो चुकी है।

जुनून के पीछे भागना समय की बर्बादी नहीं मानतीं रकुल

रकुल प्रीत सिंह ने हाल ही में अपने सोशल मीडिया पर एक छोटा लेकिन गहरा संदेश साझा किया है, जो युवाओं के बीच तेजी से चर्चा में है। उन्होंने लिखा, 'अपने जुनून को पूरा करना कभी भी समय की बर्बादी नहीं है।'

आज के समय में जब करियर की दौड़ और समाज का दबाव युवाओं को अक्सर अपनी पसंद से दूर कर देता है, ऐसे में रकुल का यह संदेश काफी मायने रखता है। उन्होंने अपने शब्दों के जरिए यह बताने की कोशिश की है कि अगर इंसान अपने दिल की सुनकर आगे बढ़े, तो वही रास्ता उसे असली संतोष और सफलता देता है। रकुल प्रीत सिंह खुद भी अपने करियर में अलग-अलग भूमिकाओं को अपनाकर लगातार आगे बढ़ रही हैं। रकुल जल्द रणबीर कपूर की रामायण में नजर आएंगी। वह इसमें रावण की बहन शूर्पणखा का किरदार निभाएंगी। गौरतलब है कि रकुल के फिल्मी सफर की शुरुआत 2009 में कन्नड़ फिल्म गिल्ली से हुई थी और इन वर्षों में उन्होंने तेलुगु, तमिल अपनी मजबूत पहचान बनाई है। बॉलिवुड की बात करें तो रकुल के सफर की शुरुआत 2014 में 'यारियां' से हुई थी, लेकिन 2019 में आई 'दे दे प्यार दे' ने उन्हें पहचान दी।

NOTE : -

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS
[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot
Or type in Search box of Telegram
@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel
BACKUP GROUP LINK
https://t.me/joinchat/5P9EL1JaqoYzNTI1

Hindi-English News Paper Website:- onlineftp.in